सूचना और संचार प्रौद्योगिकी

विद्यालयी शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय आईसीटी पुरस्कार

❒ हरि कृष्ण आर्य

विद्यालयों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) योजना का प्रारम्भ दिसम्बर, 2004 में माध्यमिक स्तर के छात्रों को मुख्यतः उनकी आईसीटी कौशल क्षमता बढ़ाने और कम्प्यूटर सहायक शिक्षण प्रक्रिया के माध्यम से सीखने के अवसर प्रदान करने हेतु किया गया। यह योजना छात्रों के विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, डिजिटल विभाजन और अन्य भौगोलिक अवरोधों को पार करने का सेतु है। यह योजना राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को चिरस्थायी आधार पर कम्प्यूटर प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए सहायता प्रदान करती है। इसका केन्द्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालयों में स्मार्ट स्कूल स्थापित करने का उद्देश्य भी है जो भारत सरकार के 'प्रौद्योगिकी प्रदर्शकों' के रूप में काम करने और आईसीटी कौशल को पड़ोस के विद्यालयों में प्रसारित करने हेतु गति प्रदान करने वाली संस्थाएं हैं।

जुलाई 2010 में जब इस योजना में संशोधन किया गया तो इसमें शिक्षकों के लिए एक राष्ट्रीय पुरस्कार का भी प्रावधान रखा गया। इस पुरस्कार का उद्देश्य उन शिक्षकों को प्रोत्साहित करना है जिन्होंने विद्यालयी पाठ्यक्रम एवं विषय-शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाने के लिए नवीन एकीकृत प्रौद्योगिकी का उपयोग कर विद्यार्थियों में आईसीटी के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न की है तथा खोज आधारित सहायक और सहयोग पूर्ण शिक्षा को बढ़ावा दिया है। यह पुरस्कार विद्यालयों एवं समुदाय में शिक्षा की समग्र गुणवत्ता के लिए शिक्षकों के योगदान को भी मान्यता देता है। यह पुरस्कार संपूर्ण भारत के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए रखा गया है।

इस योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष कुल मिलाकर 87 आईसीटी पुरस्कार दिये जाते हैं, जिसके प्रतिभागी भारत सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों, मानव संसाधन मंत्रालय के अधीन संस्थानों और स्वायत्त

निकायों से जुड़े शिक्षक होते हैं। पुरस्कारों का आवंटन राज्य, संघशासित क्षेत्रों अथवा संस्थानों से संबंधित विद्यालयों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की संख्या के आधार पर किया गया है। राजस्थान राज्य के लिए यह कोटा प्रतिवर्ष तीन शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए है।

सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों और निम्नलिखित संस्थानों से संबंधित शिक्षक-शिक्षिकाएं इस योजना के अंतर्गत सम्मिलित हैं-

1. स्थानीय निकायों और सरकार द्वारा संचालित एवं प्रशासकीय विद्यालय (राज्य शिक्षा बोर्ड से संबंधित सरकारी और निजी विद्यालयों सहित)
2. केंद्र सरकार द्वारा संचालित विद्यालय जैसे केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, केंद्रीय तिब्बती विद्यालय, रक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित विद्यालय, सैनिक स्कूल और परमाणु ऊर्जा शिक्षा समिति द्वारा संचालित विद्यालय आदि
3. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा समिति से सम्बन्ध विद्यालय
4. भारतीय विद्यालय प्रमाण पत्र परीक्षा से सम्बन्ध विद्यालय

योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार पुरस्कार के लिए शिक्षकों के चयन की प्रक्रिया निम्नानुसार होती है-

1. सभी विद्यालय अपनी प्रविष्टियों का विवरण प्रस्तावित प्रारूप में राज्यों के शिक्षा निदेशालयों या संघ शासित क्षेत्रों या सम्बंधित संस्थानों (केन्द्रीय विद्यालय संघटन, नवोदय विद्यालय समिति, केंद्रीय शिक्षा बोर्ड, भारतीय विद्यालय प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद, केंद्रीय तिब्बती विद्यालय, परमाणु ऊर्जा शिक्षा समिति, रक्षा मंत्रालय के अधीन सैनिक विद्यालय आदि) से समर्थित दस्तावेजों के साथ यथोचित माध्यम (प्राचार्य/जिला शिक्षा अधिकारी/ क्षेत्रीय कार्यालय आदि) द्वारा भेजेंगे.
2. सभी सम्बंधित राज्यों/ संघ शासित प्रदेशों/स्वायत्तशासी संस्थानों के सचिव व शिक्षा आयुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति सभी प्रविष्टियों की संवीक्षा करेगी और चुने गए प्रतिभागियों के नाम चयन समिति के विवरण के साथ पुरस्कार समिति के सदस्य सचिव को भेजेगी। सभी राज्य/संघ शासित प्रदेश और संस्थान योग्यता सूची के आधार पर निर्धारित कोटे से दुगुनी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाओं के नामांकन भेजेंगे।
3. चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कार समिति के समक्ष अपने सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान हेतु किए गए कार्यों का प्रस्तुतीकरण देना होगा। इस संदर्भ में समस्त नामित शिक्षक-शिक्षिकाओं को केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद् द्वारा सूचित किया जायेगा और ये जिन निदेशालयों / संस्थानों से जुड़े हैं, उन्हें भी सूचित किया जायेगा। संयोजित पुरस्कार समिति निम्न प्रकार होगी-

I. निदेशक, एनसीईआरटी, नई दिल्ली- सभापति
II. उपमहानिदेशक, एनआईसी, नई दिल्ली- सदस्य
III. माध्यमिक शिक्षा ब्यूरो, विद्यालयी शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

के प्रतिनिधि-सदस्य

IV. सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि-सदस्य

V. सी.आई.ई.टी. नई दिल्ली के संयुक्त निदेशक-सदस्यसचिव

पुरस्कार समिति पुरस्कार विजेताओं की अपेक्षित संख्या औचित्य पूर्ण तरीके से मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भेजेगी और मंत्रालय फिर पुरस्कार की संस्तुति प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा।

प्रत्येक पुरस्कार विजेता शिक्षक-शिक्षिका को एक लैपटॉप, एक रजत पदक व प्रशस्ति प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया जायेगा। सभी पुरस्कार विजेताओं को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ समुदाय में कार्य करना पड़ेगा।

विद्यालय शिक्षक अपनी प्रविष्टियों को संबंधित राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों व स्वायत्त संस्थानों (के.वी.एस, एन.वी.एस, सी.बी.एस.ई, सी.आई.एस.सी.ई, सी.टी.एस.ए, ए.ई.ई.एस, रक्षामंत्रालय के अंतर्गत चलने वाले सैनिक स्कूल इत्यादि) के निदेशक/सचिव/आयुक्त को भेजेंगे, जो योग्यता के क्रम में अपने पुरस्कार कोटा से दोगुना शिक्षकों का चयन व सिफारिश करेंगे। शिक्षक/ विद्यालय प्रधान किसी भी नामांकन को सीधे सीआईईटी, एनसीईआरटी, नई दिल्ली को नहीं भेजेंगे. शिक्षकों का निजी आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप के अनुसार होना चाहिए तथा समस्त आवश्यक दस्तावेज और साक्ष्य साथ में संलग्न किये जाने चाहिए। विद्यालयी शिक्षकों द्वारा राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों/स्वायत्त संस्थाओं के सचिव (शिक्षा) को नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि **31 मार्च, 2015** है तथा राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों/स्वायत्त संस्थानों के सचिव द्वारा चुने हुए नामांकन को सीआईईटी, एनसीईआरटी, नई दिल्ली में जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून, 2015 है।

इस पुरस्कार की अर्हताओं, नियमों, शर्तों व प्रवेश फार्म संबंधी विस्तृत जानकारी वेबसाइट **www.ciet.nic.in** पर देखी जा सकती है अथवा संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, एनसीईआरटी, श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली 110016, ई-मेल: **jdciet.ncert@nic.in** से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

सभी शिक्षक जो अपने शिक्षण कार्य में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहे हैं, उन्हें इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए अवश्य आवेदन करना चाहिए।

(National ICT Awardee, Mentor NROER, Microsoft Innovative Educator Expert)
78, गुरुनानक नगर, स्ट्रीट नं. 13,
नई आबादी, एन.एम.पी.जी.
कॉलेज के पास, हनुमानगढ़ टाउन
मो. 9414202796

इस माह का गीत

चले निरन्तर साधना...

निर्मल पावन भावना
सभी के सुख की कामना ।
गौरवमय समरस जन जीवन, यही राष्ट्र आराधना ।।
चले निरन्तर साधना...

जहाँ अशिक्षा अन्धकार है, वहीं ज्ञान का दीप जलाएँ
स्नेह भरी अनुपम शैली से, संस्कार की जोत जगाएँ
सभी को लेकर साथ चलेंगे, दुर्बल का कर थामना
चले निरन्तर साधना...

जहाँ व्याधियों और अभावों-में मानवता तड़प रही
घोर विकारों, अभिशापों में, देखो जगती झुलस रही
एक-एक आँसू को पौंछें, सारी पीड़ा लाँघना
चले निरन्तर साधना...

जहाँ विषमता भेद अभी है, नयी चेतना भरनी है
न्यायपूर्ण मर्यादा धारे, विकास रचना करनी है
स्वाभिमान से सभी खड़े हों, करे न कोई याचना
चले निरन्तर साधना...

'नर-सेवा नारायण-सेवा' है अपना कर्त्तव्य महान्
अपनी भक्ति अपनी शक्ति, से करना जन जन का त्राण
अपने तप से प्रगटाएंगे, माँ-भारत कमलासना
चले निरन्तर साधना...

साभार : **प्रेरणा पुष्पांजलि**